

समाजसेवी बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम का आंकड़ा 221000 पाठ

टोबड़ीबात

इ ही के दिव 2007 में राहिज
तापर ले एक दिवसीय टिक्केट
हजार रुपू बिक्की ।



वक्तव्य कोड
नेटवर्क
प्राइवेट
भास्कर पर

दैनिक भास्कर

दैनिक भास्कर विषयक जागरूक



बैठक १५ अक्टूबर २०२३ | दिन १० | मित्र २०८ लाख
झाणी, गोणा, लखनऊ और देहादून से प्रकाशित



हनुमान चालीसा पढ़ने से साधक को जीवन की समस्याओं व भय से मिलती है मुक्ति : बोधराज सीकरी

भास्कर व्यूगे

गुरुग्राम। जाने माने समाजसेवी और उद्यमी हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम नए-नए रंग प्रदर्शित कर रही है। सभी के गले में बिरादरी के पदाधिकारियों ने श्री राम और

श्री हनुमान की पट्टिका डालकर प्रेम से सभी का सम्मान और अभिवादन किया। साधकों में अनुशासन सराहनीय था। निरंतर 1 घंटा 25 मिनट तक चला संगीतमय तरीके से पाठ - श्री गजेंद्र गोसाई की लय और ताल का समन्वय देखते ही बनता था। पाठ करने के दौरान श्रद्धालु भक्ति भाव से झूम उठे और सारा डेराबाल भवन नृत्य मय हो गया और हृश्य देखने के लायक था। श्री गोसाई ने अपनी मधुर वाणी से संगत को मोह लिया तदोपरांत बोधराज सीकरी ने संत तुलसी दास के जन्म का व्याख्यान, तुलसी रामायण के रहस्य,

सुंदरकांड की विशेषता और उसमें हनुमान जी के जीवन के कई नए-नए उदाहरण प्रस्तुत किए और अंत में हनुमान चालीसा ग्रंथ में लिखी चौपाई विद्यावान गुनी अति चतुर राम काज करने को आत्म की व्याख्या विलक्षण तरीके से की।



गुडगांव टुडे

हनुमान चालीसा पढ़ने से साधक को जीवन की समस्याओं व भय से मिलती है मुक्ति : बोधराज सीकरी

हनुमान चालीसा
पाठ की सख्त्या हुई
221000 पाठ।

साधकों में जोश की
बद्दोतारी-नुच में श्रूम
उठे साधक।

गुडगांव टुडे, मुक्त्याम

देशभाषा विद्वानी ने देश चूटी प्रकाश और अपने धर्मक औषधकान कक्षाएं, स्थान आद्या बारंठ उत्त प्रधान, जीवन भाव वाला, एवं लाल धोर और अन पर्वतीजीवों की आनुष्ठान में हनुमान चालीसा का पढ़ कराया।

पाठ के दौरान स्थानीये ने काहो उत्त प्रधान विद्वानों की अविकल्पना भवत पूरा ब्रह्माण्डमें

में भरा हुआ था।

जोध पाठ सीकरी को हनुमान चालीसा पाठ की सूची नहीं दी गई प्रवीनी कर रही है। विद्वान् 1 पाठ 25 मिनट तक पाठ कर्मसुखाय लाइन से पढ़ -गोडे गोसाई की लाप और लाल का सामन्य देखी ही बहता था। पाठ करने के दौरान बद्दालु पीछा भाल से झूप ले और साथ देखता था कि जूनी भाल से झूप ले रही है। जोध-पाठ अपृष्ठेक बैंकर और समाजसेवी परमेश्वर अरोड़ा ने ना केल अपनी सर्विसी लाल भाल प्रेम भाल में हनुमान चालीसा का पढ़ किया और सीधारा सीकरी से प्राप्ति भी की कि सर्वतों योग चर्चा किंवदं बहत पाठ 25 कालीनों में पाठ करने के लिए अप्राप्य थी किया।

देवेपति जीव राज सीकरी ने भी तुम्हारी जीव के ज्ञान का व्यापक, तुलसी उम्मण के लक्षण, घट्टराजू की विशेषता और लक्षण है रो रो रहा है। स्थान में सकलामय विवरण दिल रहा है। इस हनुमान चालीसा पाठ में

निलो लीलां विद्वानान् गुणी अति नहु राम कर ज करने की आत्म की व्याप्ति विवाह लालके से की।

जोध राज सीकरी वे साथ को मृत्यु लिया कि जूनी भाल के लाल सीलकार की चुकियाँ लाल से रो रुपी हैं। जोध-पाठ अपृष्ठेक बैंकर और समाजसेवी परमेश्वर अरोड़ा ने ना केल अपनी सर्विसी लाल भाल प्रेम भाल में हनुमान चालीसा का पढ़ किया और सीधारा सीकरी से प्राप्ति भी की कि सर्वतों योग चर्चा किंवदं बहत पाठ 25 कालीनों में पाठ करने के लिए अप्राप्य थी किया।

जीवपाठ सीकरी का शिलाद्वी प्रवास लियो तुम समराजन वर्णी राम है रो रो रहा है। जीव के लाल सीकरी के कर्म, जीव की गोत्ता का और कई अन्य गणपात्र अविलं लियो के कर्म, नीले साथाला, अधिकंक समिलित हैं, सभी का अविलं लिया।

इस अवार एर सेल बुद्धी,



लगभग 325 साली और साधकों ने 21-21 बार पाठ किया। इसी प्रकार नम्बुर लिल भाल अप

केलाल में भी जीवताव सीकरी के आठन यह योगलाल को हनुमान चालीसा का पाठ किया है।

दिन दोनों द्वारी के मिलाकर 7030 क्षमार, वास्तव लोक लालीत चूटी, सुंदर लुल (प्राप्त, जी चंद्रीप सलतन चर्च मार), जी चंद्राल, जी चंद्रा गाल, अमरकाल गाल, जी चंद्रा गाल, देवी गोपीनाथ, देवी गोपीनाथ, अवल बुद्ध, देवी बुद्धा, रामेत चूटी, दिलोप लूला, उपर्युक्त विद्वान उपर्युक्त विद्वान, अर्द्धद बुद्ध, देवी, यमदाना, देवी, गोपीर द्वारा, करम महाल, रोप मलील, पालन बुद्ध, रोप गाल, जी, परमेश्वर अद्दा (जाने मारे अपृष्ठेकार्य और जीवाचार), नीर चाला, अधिक, दिलोप, जीवी राला, सुंदर लोक, येल बुद्ध, येल गाल, सुंदर लोक, येली बुद्ध, येल काला, येली काला, सुंदरी काला, रामेत चूटी, जी चंद्र जी चंद्र द्वारा है।

दिन दोनों द्वारी के मिलाकर 7030 क्षमार, वास्तव लोक लालीत चूटी, सुंदर लुल (प्राप्त, जी चंद्रीप सलतन चर्च मार), जी चंद्राल, जी चंद्रा गाल, अमरकाल गाल, जी चंद्रा गाल, देवी गोपीनाथ, देवी गोपीनाथ, अवल बुद्ध, देवी बुद्धा, रामेत चूटी, दिलोप लूला, उपर्युक्त विद्वान उपर्युक्त विद्वान, अर्द्धद बुद्ध, देवी, यमदाना, देवी, गोपीर द्वारा, करम महाल, रोप मलील, पालन बुद्ध, रोप गाल, जी, परमेश्वर अद्दा (जाने मारे अपृष्ठेकार्य और जीवाचार), नीर चाला, अधिक, दिलोप, जीवी राला, सुंदर लोक, येल बुद्ध, येल गाल, सुंदर लोक, येली बुद्ध, येल काला, येली काला, सुंदरी काला, रामेत चूटी, जी चंद्र जी चंद्र द्वारा है।

पर्यावरण, समृद्धि, गरिमा और सहभाग में प्रवर्तन

पायनियर

जीवन की समस्याओं व भय से
मुक्ति दिलाता है हनुमान चालीसा
का पाठः बोधराज सीकरी



गुरुग्राम में हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के दौरान झूमते अद्वालु।

गुरुग्राम। पंजाबी विरादरी महा संगठन के प्रधान बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम लगातार एक अभियान का रूप लेती जा रही है निरंतर ऐंचडा 25 मिनट तक संगीतमय तरीके से गजेंद्र गोसाई ने पाठ किया। पाठ करने के दौरान अद्वालु भक्ति भाव से झूम उठे। बोधराज सीकरी समेत सभी भक्ति में झूमते नजर आए। सारा डेरावाल भवन नृत्य मय हो गया।

बोधराज सीकरी ने संत तुलसी दास के जन्म का व्याख्यान, तुलसी रामायण के रहस्य, सुररक्षा की विशेषता और उसमें हनुमानजी के जीवन के कई उदाहरण प्रस्तुत किए। बोधराज सीकरी ने बताया कि हनुमान चालीसा के लिए जुलाई मास के हर मंगलवार की बुकिंग पहले से हो चुकी है। जाने-माने आयुर्वेदिक डा. परमेश्वर अरोड़ा ने भी शिरकत की। इस हनुमान चालीसा पाठ में लगभग 325 साथ्यी और साधकों ने 21-21 बार पाठ किया। जमपुर शिव मंदिर में 41 लोगों ने भाग लेकर पांच-पांच बार पाठ किया। इस प्रकार कल के दिन दोनों स्थानों के मिलाकर 7030 पाठ हुए। बोधराज सीकरी से सनातन योग स्थली जितेंद्र बहल पार्क न्यू कॉलोनी में पाठ करने के लिए आग्रह भी किया। डेरावाल विरादरी ने रमेश

हनुमान चालीसा पाठ की संख्या दो लाख 21 हजार के पार

चुटानी प्रधान और वरिष्ठ संरक्षक ओमप्रकाश कथूरिया, सतीश आहूजा वरिष्ठ उपप्रधान, कंवर भान वधवा, राम लाल ग्रोवर और अन्य पदाधिकारियों की अमृतावाह में हनुमान चालीसा का पाठ आयोजित करवाया। इस अवसर पर रमेश चुटानी, ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल ग्रोवर, सुभाष गांधी, सतीश आहूजा, सुभाष नागपाल, चंद आहूजा, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ओपी कालरा, रमेश कालग, किशोरी लाल हुडेजा, कंवर भान वधवा, जय दयाल कुमार, बासदेव ग्रोवर, जगदीश चुटानी, सुनील खुल्लर, सीबी नागपाल, सीबी मनचंदा, केसर दास, राजेश गावा, ओमप्रकाश गावा, हेमंत मोंगिया, हेमंत मोंगिया, अनिल कुमार, रमेश कुमार, राकेश चुटानी, दिलीप लूधरा, युधिष्ठिर नागपाल, सुभाष सरदाना, महेंद्र कुमार सेठी, वशपल ग्रोवर, गंगाधर खत्री, कमल सल्वजा, रवि मंगोचा, पारुल कुमार, नंद गावा, डॉ. नरेश चावला, अधिषेक, दिलजीत, जोगेंद्र रखेजा समेत अनेक लोग भौजूद रहे।

गुरुवाराम केसटी

‘हनुमान चालीसा पढ़ने से जीवन की समस्याओं व भय से मिलती है मुक्ति’

गुडगांव, 28 जून (ब्यूरो): बीती रात डेरावाल बिरादरी ने रमेश चुटानी प्रधान और वरिष्ठ संरक्षक ओमप्रकाश कथूरिया, सतीश आहूजा वरिष्ठ उप प्रधान, कंवर भान वधवा, रामलाल ग्रोवर और अन्य पदाधिकारियों की अगुवाई में करवाया हनुमान चालीसा का पाठ। पाठ के दौरान साधकों ने काफी उत्साह दिखाया जिसके

परिणामस्वरूप भवन पूरा श्रद्धालुओं से भरा

हुआ था। बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम नए-नए रंग प्रदर्शित कर रही है। सभी के गले में बिरादरी के पदाधिकारियों ने श्री राम और श्री हनुमान की पट्टिका डालकर

प्रेम से सभी का सम्मान और अभिवादन किया। साधकों में अनुशासन सराहनीय था। निरंतर 1 घंटा 25 मिनट तक चला संगीतमय तरीके से पाठ गजेंद्र गोसाई

श्रीगोसाई ने अपनी मधुर वाणी से संगत को मोह लिया।

इस मौके पर बोध राज सीकरी ने संत तुलसी दास के जन्म का व्याख्यान,

तुलसी रामायण के रहस्य, सुंदरकांड की विशेषता और उसमें हनुमान जी के जीवन के कई नए-नए उदाहरण प्रस्तुत किए और अंत में हनुमान चालीसा ग्रंथ में लिखी चौपाई “विद्यावान गुनी अति चतुर राम काज करने को आतुर” की व्याख्या विलक्षण तरीके से की। कैसे हनुमान जी ने सूर्य देव से शिक्षा प्राप्त की, सूर्य कन्या से उनका विवाह, लंका दहन उपरांत कैसे उन्होंने

समुद्र में जाकर अपनी पूँछ बुझाई थी और कैसे जल की धारा से मछली को गर्भ होना और उससे मकरध्वज जैसा योद्धा पुत्र होना आदि नई-नई बातों को उजागर कर लोगों का मन मोह लिया।



श्री हनुमान चालीसा पाठ के दौरान झूमते साधक।

की लय और ताल का समन्वय देखते ही बनता था। पाठ करने के दौरान श्रद्धालु भक्ति भाव से झूम उठे और सारा डेरावाल भवन नृत्य मय हो गया और दृश्य देखने के लायक था।

आप का साथ हमारा विश्वास

एनसीआर टाइम

हिन्दी दैनिक पेपर

चौराहा

गुरुग्राम

दिनांक : 29/6/23

हनुमान चालीसा पढ़ने से साधक को जीवन की समस्याओं व भय से मिलती है मुक्ति : बोधराज सीकरी

हनुमान चालीसा पाठ की संख्या हुई 221000 पाठ रचा इतिहास -



गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) गुरुग्राम मंगलवार डेरावाल विरादी ने श्री रमेश चुटानी प्रधान और वरिष्ठ संरक्षक श्री ओमप्रकाश कथूरिया, सतीश आहूजा वरिष्ठ उप प्रधान, श्री कंवर भान वधवा, श्री राम लाल ग्रोवर और अन्य पदाधिकारियों की अगुवाई में कथवा हनुमान चालीसा का पाठ। पाठ के दौरान साधकों ने काफी उत्साह दिखाया जिसके परिणामस्वरूप मवन पूरा अद्वालुओं से भरा हुआ था।

श्री बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की महिम नह—नए रंग प्रदर्शित कर रही है। सभी के गले में विरादी के पदाधिकारियों ने श्री राम और श्री हनुमान की पटिका डालकर प्रेम से सभी का सम्मान और अभिवादन किया। साधकों में अनुशासन सराहनीया था। निरंतर 1 घंटा 25 मिनट तक चल संगीतमय तरीके से पाठ — श्री गजेंद्र गोसाई की लय और ताल का समन्वय देखते ही बनता था। पाठ करने के दौरान अद्वालु भरि भाव से झूम उठे और सारा डेरावाल भवन नृत्य में हो गया और दृश्य देखने के लायक था। श्री गोसाई ने अपनी मधुर वायी से संगत को मोह लिया। तदोपरात बोध राज सीकरी ने संत तुलसी दास के जन्म का व्याख्यान, तुलसी रामायण के रहस्य, सुंदरकांड की विशेषता और उसमें हनुमान जी के जीवन के कहाँ नह—नह उदाहरण प्रस्तुत किए और अंत में हनुमान चालीसा ग्रंथ में लिखी गयी प्रार्थना गुनी अति चतुर राम काज करने को अतुर्का की व्याख्या विलक्षण तरीके से की। कैसे हनुमान जी ने सूर्य देव से शिवा प्राप्त की, सूर्य कन्या से उनका विवाह, लंका देवत कैसे उन्होंने समुद्र में जाकर अपनी पूँछ तुझाई थी और कैसे जल की धारा से मध्यस्थी को गर्भ होना और उससे मकरवज्र जैसा योद्धा पुत्र होना आदि नह—ही बातों को उजागर कर लोगों का मन मोह रिया। बोध राज सीकरी ने संगत को सूचित किया कि जुलाई मास के हर मंगलवार की बुकिंग पहले से ही खुली है। जाने—माने अयुर्वेदिक डॉक्टर और समाजसेवी श्री परमेश्वर अरोड़ा ने ना केवल अपनी उपस्थिति लगाई बल्कि प्रेम भाव से हनुमान चालीसा का पाठ किया और बोधराज सीकरी से प्रार्थना थी कि के समान योग्य रथली जितेंद्र वहल पार्क न्यू कॉलोनी में पाठ करने के लिए आग्रह थी किया। संभवतः अग्रस्त के पहले मंगलवार को उन्हें पाठ का सुअवसर प्राप्त होगा। इसी प्रकार श्री यशपाल ग्रोवर और गंगाधर खत्री ने सामूहिक रूप से बोधराज सीकरी से अर्जुन नगर में पाठ करने

के लिए प्रार्थना की और उन्हें 25 जुलाई की तारीख मिली है। बोधराज सीकरी का गिलहरी प्रयास जिससे युवा संस्कारावान बैठे, लगता है रंग ला रहा है। समाज में सकारात्मक परिवर्तन दिख रहा है।



बोधराज सीकरी ने बहनों से आग्रह किया कि अपनी पुरानी परम्पराओं पर वापस आएं। विदी और सिंदूर जो सुहाग का परिचायक है, उसे पुनः अपनाएं जो शृंगार का प्रतीक है। मरियू, गुरुद्वारा में बच्चे अच्छी प्राप्ति के पहनकर जाए। इस हनुमान चालीसा पाठ में लालग 325 साथ्यी और साथकों ने 21—21 बार पाठ किया। इसी प्रकार जमपुर शिव मंदिर ईरन्ट ऑफ कैलाश में श्री बोधराज सीकरी के आह्वान पर हर मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ निरंतर होता है। कल के पाठ में जमपुर शिव मंदिर में 41 लोगों ने भाग लेकर पौच—पौच बार पाठ किया। इस प्रकार कल के दिन दोनों खानों के मिलाकर 7030 पाठ हुए। पिछले मंगलवार तक 215000 पाठ हो चुके थे। कल की संख्या मिलाकर कुल 222235 हो गई है जिसे अभी तक कुल 14264 लोगों ने किया है। विरादी के महामंडी श्री राम लाल ग्रोवर ने प्रवर्द्धन उपरात फूल माला और शॉल से श्री बोध राज सीकरी का, श्री गोसाई का और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति जिनमें श्री कंवर भान वधवा, श्री नरेश चावला, श्री अमिषेक सम्मिलित हैं, सभी का अभिनंदन किया। इस अवसर पर श्री रमेश चुटानी, श्री ओमप्रकाश कथूरिया, श्री रामलाल ग्रोवर, श्री सुभाष गांधी, श्री तीरोश आहूजा, श्री सुभाष नागपाल, श्री चाद आहूजा, श्री धर्मेंद्र बजाज, श्री रमेश कामरा, श्री ओपी कालरा, श्री स्वेश कालरा, श्री किंशोशी लाल झुडेजा, श्री कंवर भान वधवा, श्री जय दयाल कुमार, श्री बासादेव ग्रोवर, श्री जगदीश चुटानी, श्री सुरेन्द्र खुलर (प्रधान, श्री कंद्रीय सनातन धर्म समाज), श्री सी.सी. नागपाल, श्री सी.सी. मनचंदा, श्री कंवर दास, श्री राजेश गावा, श्री ओमप्रकाश गावा, श्री हेमत मांगिया, श्रीमती हेमत मांगिया, श्री अनिल कुमार, श्री रमेश कुमार, श्री राकेश चुटानी, श्री दिलीप लूधरा, श्री युविषिष्ठ नागपाल, श्री सुभाष सरदाना, श्री महेंद्र कुमार सेठी, श्री यशपाल ग्रोवर, श्री गंगाधर खत्री, श्री सुरेन्द्र खत्री, श्री रवि मनोज, श्री पारुल कुमार, श्री नद गावा, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा (जाने माने आयुर्वेदाधारी और योगावाने), श्री नरेश चावला, श्री अमिषेक, श्री दिलजीत, श्री जीर्णद्र रखेजा, श्री सुरेन्द्र वरेजा, श्री रमेश मुंजाल, श्री संजय, श्री जमेश ग्रोवर, श्रीमती ज्योति वर्मा, श्रीमती रवना बजाज, श्रीमती सुदर्दी कालरा, श्रीमती रमेश चुटानी व अन्य जन मौजूद रहे।

दैनिक राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र

उजाला आज तक

हनुमान चालीसा पाठ की संख्या हुई 221000 पार

हनुमान चालीसा पढ़ने से साधक को जीवन की समस्याओं व भय से मिलती है मुक्ति : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम भगत शर्मा उजाला आज तक गुरुग्राम में डेरावाल विहारी ने रमेश चूटानी प्रधान और वरिष्ठ संरक्षक ओमप्रकाश कथुरिया, सरीरा आहज वरिष्ठ उप प्रधान, केवर भान वधवा, राम लाल ग्रोवर और अच्युत पदार्थकारियों की अमृतांशु में करवाया हनुमान चालीसा का पाठ। पाठ के दैरावाल साधकों ने काफी उत्साह दिखाया जिसके परिणमस्वरूप भवन पूरा ब्रह्मालुअंडी से भरा हुआ था। श्री बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम नए-नए रोप प्रदर्शित कर रही है। सभी के बाले में विहारी के पदार्थकारियों ने श्री राम और श्री हनुमान की पट्टिका

डालकर प्रेम से सभी का सम्मान और अधिवादन किया। साधकों में अनुशासन सताहनीय था। निरंतर 1 घंटा 25 मिनट तक चला संगीतामय तरीके से पाठ - गोलोंद गोलाई की लव और ताल का समन्वय देखते ही बनता था। पाठ करने के दौरान ब्रह्मालु भक्त भाव से दूष उठे और साथ डेरावाल भवन नृप भव दो गया और दृश्य देखने के लायक था। गोलाई ने अपनी मधुर याणी से संगत को मोंग लिया। तदीपती बोध राज सीकरी ने संत तुलसी दास के जन्म का व्याख्यान, तुलसी रामायण के रहस्य, सुदर्शन की विशेषता और उसमें हनुमान जी के जीवन के कई नए-नए उदाहरण प्रस्तुत किए और अंत में हनुमान चालीसा ग्रन्थ में लिखी



गोलाई हनुमानावान गुनी अति चतुर राम काज करने को आतुर" की व्याख्या विलक्षण तरीके से की।

फैसे हनुमान जी ने सूर्य देव से शिशा प्राप्त की, सर्व कन्त्र से उनका विवाह, लका दहन उपर्युक्त के से उन्होंने समृद्ध में जाकर अपनी

धारा से मध्यली को वर्ष होना और उससे मकरज्ञज जैसा बोद्धा पुत्र होना आदि नई-नई वातों को उजागर कर लोगों का मन भोग लिया। बोध राज सीकरी ने संगत को सूर्यत किया कि जूलाई मास के हर भगवत्तर की दुकिंग फले से ही

चुकी है। जाने-माने आद्युर्वेदिक डॉक्टर और समाजसेवी परमेश्वर अरोड़ा ने ना केवल अपनी उपर्युक्ति लार्वर वैरिक प्रेम भाव से हनुमान चालीसा का पाठ किया और बोधराज सीकरी से प्रार्थना भी की कि सनातन योग स्थली जिलौद बहल पार्क न्यू कलिंगी में पाठ करने के लिए आत्मा भी किया।

संभवतः अगस्त के पहले बगलबात को उन्हें पाठ का सुअक्सर प्राप्त होगा। इसी प्रकार श्री वशपाल ग्रोवर और बैत्रावर खन्नी ने सामृद्धिक रूप से बोधराज सीकरी से अनुन नगर में पाठ करने के लिए प्रार्थना की और उन्हें 25 जुलाई की तारीख मिली है। बोधराज सीकरी का गिलहरी प्रयास जिससे दुवा संस्कारवान बने,

लगता है रंग ला रहा है। समाज में सकारात्मक परिवर्तन दिख रहा है। बोधराज सीकरी ने बहनों से आश्रम किया कि अपनी पुत्री परमाणुओं पर वापर आए। विदेशी और सिंदूर जो सुदाम का परिचायक है, उस परः अपनाई जो ईवार का प्रतीक है। महिल, गुरुद्वारा में बच्चे अच्छी पौष्टिक पहचनदर जाएं।

इस हनुमान चालीसा पाठ में लगभग 325 साथी और साधकों ने 21-21 वार पाठ किया। इसी प्रकार श्री वशपाल ग्रोवर जम्मुर शिव मंदिर ईंटर ऑफ कैलाश में भी बोधराज सीकरी के आलाहन पर हर मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ निरंतर होता है। कल के पाठ में जगपुर शिव मंदिर में 41 लोगों ने भाग लेकर पौच-पौच वार पाठ किया।

4

एक ऐसा अखबार जिसे पढ़ सकता है एक साथ पूरा परिवार

कल, आज और कल

दीर्घार, 1 जून 2023

7

सच कहूँ

Sirs
Regd
HAR

• ज्येष्ठ शुक्र 12 - विक्रम संवत् 2080

‘जीवन की समस्याओं व भय से मुक्ति दिलाता है तुलसी रामायण के रहस्य’

गुरुग्राम(सच कहूँ न्यूज़।)

पंजाबी विरादी महा संगठन के प्रधान वोध राज सीकरी की मुहिम लगातार एक अभियान का रूप लेती जा रही है। निरंतर 1 घंटा 25 मिनट तक संगीतमय तरीके से गजेंद्र गोसाई ने पाठ किया। पाठ करने के दौरान श्रद्धालु भक्ति भाव से झूम उठे। वोधराज सीकरी समेत सभी भक्ति में झूमते नजर आए। सारा डेरावाल भवन नृत्य भय हो गया। वोधराज सीकरी ने संत तुलसी दास के जन्म का व्याख्यान, तुलसी रामायण के रहस्य, सुंदरकांड की विशेषता और उसमें हनुमान जी के जीवन के कई उदाहरण प्रस्तुत किए। इस अवसर पर जाने-माने आयुर्वेदिक डॉ. परमेश्वर अरोड़ा ने भी शिरकत की। वोधराज सीकरी से सनातन योग स्थली जिंद्र बहल पार्क न्यू कॉलोनी में पाठ करने के लिए आग्रह भी किया। डेरावाल विरादी ने रमेश चुटानी प्रधान और वरिष्ठ संरक्षक ओमप्रकाश कथूरिया, सतीश आहूजा वरिष्ठ उपप्रधान, कंवर भान वधवा, राम लाल



गुरुग्राम में आयोजन के दौरान झूमते लोग।

ग्रोवर और अन्य पदाधिकारियों की खुल्लर, सीबी नागपाल, सीबी अगुवाई में हनुमान चारीसा का पाठ मनचंदा, केसर दास, राजेश गावा, आयोजित करवाया।

इस अवसर पर रमेश चुटानी, मोणिया, अनिल कुमार, रमेश कुमार, ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल ग्रोवर, राकेश चुटानी, दिलीप लुधरा, तुष्टिष्ठ नागपाल, सुभाष सरदाना, महेंद्र कुमार नागपाल, चांद आहूजा, धर्मेंद्र वजाज, सेठी, यशपाल ग्रोवर, गंगाधर खन्नी, रमेश कामरा, ओपी कालगा, रमेश कमल सलूजा, रवि मनोचा, पारुल कालरा, किशोरी लाल दुडेजा, कंवर कुमार, नंद गावा, डॉ. नरेश चावला, भान वधवा, जय दयल कुमार, अभियंक, दिलजीत, जोगेंद्र रखेजा वासदेव ग्रोवर, जगदीश चुटानी, सुरेंद्र समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा (पलवल) एवं उत्तर-प्रदेश (बुलंदशहर एवं मुरादाबाद) से एक साथ प्रकाशित

देव केसरी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हनुमान चालीसा पाठ की संख्या हुई 221000 पार

देव केसरी / अखिल द्वन्द्व

गुरुग्राम। कल मंगलवार डेवावाल विगादरी ने रेस्ट चुटानी प्रधान और वरिष्ठ सरकारी ओप्रेप्राकाश कथूरिया, सतीश आद्या वरिष्ठ उप प्रधान, श्री कवर भान वधवा, श्री रम लाल ग्रेवर और अन्य पदाधिकारियों की अगुवाई में करवाये हनुमान चालीसा का पाठ पाठ के दौरान साथकों ने काफी उत्साह दिखाया। जिसके परिणामस्वरूप भवन पूरा श्रद्धालुओं से भरा हुआ था। बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम नए-नए रूप प्रदर्शित कर रही है। सभी के गले में विगादरी के पदाधिकारियों ने श्री



राधी और श्री हनुमानजी की पृष्ठिक ढालकर प्रेम से सभी का समान और अभिवादन किया। साथकों में अनुशासन सराहनीय था। निरंतर 1 मंत्र 25 मिनट तक चला संगीतमय तरंग से पाठ गजेंद्र गोसाई की लय और ताल का

समन्वय देखते ही बनता था। पाठ करने के दौरान ब्रह्मलुभित भाव से ज्ञान उठे और सरा डेवावाल भवन नृत्य मय ही गय और दृश्य देखने के लायक था। श्री गोसाई ने अपनी मधुर वाणी से संगत को मोह लिया। तदोपरांत बोध राज

सीकरी ने संत तुलसीदास के जन्म का व्याख्यान, तुलसी गायत्री के रहस्य, सुदाकांड की विशेषता और उसमें हनुमान जी के जीवन के कई नए-नए उत्तरण प्रस्तुत किए। और अंत में हनुमान चालीसा श्रुति में लिखी चौपाई - विद्यावान हनुम अति चतुर यम काज करने के अतुरं की व्याख्या विलक्षण तरीके से की।

कैसे हनुमान जी ने सूर्य देव से शिक्षा प्राप्त की, सूर्य कन्या से उत्का विवाह, लंका दरन उपरांत कैसे उत्तेने सप्तद्वार में जाकर अपनी पूँछ बुद्धाई भी और कैसे जल की धार से मधुली को गर्भ होना और उससे मकरध्वन जैसा योद्धा एवं होना आदि नई-नई बातों को उत्तापन कर लोगों का मन मोह

लिया। बोध राज सीकरी ने संगत को सूचित किया कि जलाई मास के हर मंगलवार की बुकिंग घरले से हो चुकी है।

जान-माने आयुर्वेदिक डॉक्टर और समाजसेवी परमेश्वर अंगोदा ने ना केवल अपनी उर्जास्वाति लगाव बल्कि प्रेम भाव से हनुमान चालीसा का पाठ किया और बोधराज सीकरी से प्रार्थना भी की कि सनातन योग स्थली जितेद्व वहल पाक यू कालोनी में पाठ करने के लिए अवगत भी किया।

संभवतः अग्रदृष्टि के छहले मंगलवार को उत्तेने पाठ का मुअब्दर प्राप्त होगा। इसी प्रकार श्री यशपाल ग्रेवर और गणेश रखनी ने साधूक रूप से बोधराज सीकरी से अर्जुन नगर में पाठ करने के लिए प्रार्थना की और उन्हें 25 जलाई की तारीख मिली है। बोधराज सीकरी का गिलहरी प्रयास जिससे युवा संस्कारकान बनें, लगता है रंग ला रहा है।

समाज में सकारात्मक परिवर्तन दिख रहा है। बोधराज सीकरी ने बहनों से आग्रह किया कि अपनी पुनर्जी परम्परा औं पर बापस आएं। बिंदी और सिंदूर जो सुखा का परिचयक है, उसे पुनः अपनाएं जो श्रृंगार का प्रतीक है। मंदिर, गुरुद्वारा में बल्ले अच्छी पौराणिक पहनकर जाएं। इस हनुमान चालीसा पाठ में लाभग 325 साथ्यी और साथकों ने 21-21 बार पाठ किया।

सबसे तेज़॥ सबसे आगे

हरियाणा की आवाज़

भिवानी, चंडीगढ़, हिमार से एक साथ प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

Postal No.: P/BWN/47/2023-2025
E-mail : haryanakiaawaz@gmail.com
wwwDharyanakiaawaz.in

वर्ष : 15 अक्टूबर : 15

मिवानी गुरुवार 29 जून 2023

मूल्य : 3100 रुपये

7:32 AM ✓

जीवन की समस्याओं व भय से मुक्ति दिलाता है हनुमान चालीसा का पाठ: बोधराज सीकरी

हनुमान चालीसा पाठ की संख्या 2 लाख 21 हजार के पार

गुरुग्राम। पंजाबी विरादी महा संगठन के प्रधान बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम लगातार एक अभियान का रूप लेती जा रही है। निरंतर 1 घंटा 25 मिनट तक संगीतमय तरीके से गजेंद्र गोसाई ने पाठ किया। पाठ करने के दौरान ब्रह्मलु भक्ति भाव से झूम उठे। बोधराज सीकरी समेत सभी भक्ति में झूमते नजर आए। सारा डेरावाल भवन नृत्य मय हो गया। बोधराज सीकरी ने संत तुलसी दास के जन्म का व्याख्यान, तुलसी रामायण के रहस्य, सुंदरकांड की विशेषता और उसमें हनुमान जी के जीवन के कई उदाहरण प्रस्तुत किए। बोधराज सीकरी ने बताया कि हनुमान चालीसा के लिए जुलाई मास के हर मंगलवार की बुकिंग पहले से हो चुकी है। जाने-माने आयुर्वेदिक डा. परमेश्वर अरोड़ा ने भी शिरकत की। इस हनुमान चालीसा पाठ में लगभग 325 साध्वी और साधकों ने 21-21 बार पाठ किया। जमपुर शिव मंदिर में 41 लोगों ने भाग लेकर पांच-पांच बार पाठ किया।



इस प्रकार कल के दिन दोनों स्थानों के मिलाकर 7030 पाठ हुए। बोधराज सीकरी से सनातन योग स्थली जितेंद्र बहल पार्क न्यू कॉलोनी में पाठ करने के लिए आग्रह भी किया। डेरावाल विरादी ने रमेश चुटानी प्रधान और वरिष्ठ संरक्षक ओमप्रकाश कथूरिया, सतीश आहूजा वरिष्ठ उपप्रधान, कंवर भान वधवा, राम लाल ग्रोवर और अन्य पदाधिकारियों की अगुवाई में हनुमान चालीसा का पाठ आयोजित करवाया। इस अवसर पर

रमेश चुटानी, ओमप्रकाश कथूरिया, रामलाल ग्रोवर, सुभाष गांधी, सतीश आहूजा, सुभाष नागपाल, चांद आहूजा, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, औपी कालरा, रमेश कालरा, किशोरी लाल डुडेजा, कंवर भान वधवा, जय दयाल कुमार, बासदेव ग्रोवर, जगदीश चुटानी, सुरदंद खुल्लर, कुमार, रमेश कुमार, राकेश चुटानी, दिलीप लूथरा, युधिष्ठिर नागपाल, सुभाष सरदाना, दिलजीत, जोगेंद्र रखेजा समेत अनेक स्तोत्र पाठ्यूद रहे।

भारत सारथी

हनुमान चालीसा पाठ की संख्या हुई 221000 पार

साधकों में जोश की बढ़ोत्तरी, नृत्य में शूम उठे साधक

हनुमान चालीसा पढ़ने से साधक को जीवन की समस्याओं व भय से मिलती है मूलित : वैद्यराज सोंकरी

भारत सारथी

गुरुग्राम मंडलावार को डेंगावाल विसारटी ने एसें चुटानी प्रधान और वरिष्ठ संस्कृक औप्रकारक ब्रह्मांड कच्छरिया, सतीय अहूजा वरिष्ठ उपप्रधान, कंवर भानु वधवा, गम्भाला द्योत और अन्य पदाधिकारियों की आगुलाई में करकवा हनुमान चालीसा कर पाठ। पाठ के दौरान साधकों ने कपड़ी उत्सह दिखाया जिसके परिमाण प्रस्तुत किए और अंत में हनुमान

से भर हुआ था। ओष्ठ राज सोंकरी को हनुमान चालीसा पाठ की शुद्धिम नए-नए रंग प्रदर्शित कर रहा है। सभी के गते में विसारटी के पदाधिकारियों ने जी राज और जी हनुमान की पटियाला डास्टार क्रेम से सभी का सम्मान और अभिवादन किया। साधकों में अनुशासन समरहीन था। निरंतर 1 घंटे 25 मिनट तक चला संगीतमय रातोंके से पाठ - जी गंडें गोलास की लल और ताल का समन्वय देखते ही बनता था। पाठ करने के दौरान ब्रह्मांड भक्ति भाव से द्वाम उठे और सारा डेंगावाल भवन नृत्य मध्य ही पाठ और दृश्य देखने के लायक था। श्री गुरुलाई ने अपनी मधुर वाणी से संगत को मोह लिया।

तदीपत्री ओष्ठ राज सोंकरी ने संत तुलसी दास के जन्म का व्याख्यान, तुलसी रामायण के दृश्य, सुंदरकाण्ड की विवेचना और उसमें हनुमान जी के जीवन के कई नए-नए डेंगावान प्रस्तुत किए और अंत में हनुमान



विवाहान ग्रंथ में लिखी जीपाई विवाहान गुणी अति चूलर राम काल करने को आतुर की व्याख्या विलक्षण तरीके से की। करें हनुमान जी ने सूर्य देव से शिखा प्राप्त की, सूर्य कला से उनका विवाह, लक्ष द्वान उपर्याह के जैवन के कई नए-नए डेंगावान प्रस्तुत किए।

पूछ चुलाई थी और कैसे जल की धारा से मछली को गर्भ होना और उसे मकराभ्यन जैसा गोदा पूर होना अदि नई-नई जातों को उजागर कर लोगों का भव योह लिया। ओष्ठ राज सोंकरी ने संगत को शुद्धिचालित विद्या कि चुलाई मास के हर भगवानवार की

कुर्किंग घटले से हो चक्की है। जाने-माने आनुबोदिक डॉक्टर और समाजसेवी की घरमेसर अरोड़ा ने ना केवल अपनी उपर्युक्त संगाई वर्किंग प्रेम भाव से हनुमान चालीसा का पाठ दिया और ओष्ठराज सोंकरी से प्राप्तना भी की कि समान योग

स्थलीय जिंदें बहल पार्क न्यू कॉलोनी में पाठ किए जिए अग्राही भी किया। संघर्षक : अग्रसे के पहले हनुमान चालीसा का पाठ निरत होता है।

इसी प्रकार श्री यशस्वात ओष्ठर और गोगांव खाली ने सम्पूर्णक रूप से ओष्ठराज सोंकरी ने अपने नाम चालीसा की लोकतान के द्वितीय पाठ किया। इस प्रकार कले के द्वितीय प्राप्तना भी और उन 25 जुलाई की तारीख मिली है।

ओष्ठराज सोंकरी का विसारटी प्रयास जिससे चुपा संस्कारावन बने, स्थान ही रो ले रहा है। रामज में सम्बालायक प्रीतिवन दिव रहा है। ओष्ठराज सोंकरी ने बहनों से आह दिया कि अपनी पुरानी परम्पराओं पर वास्तव आएं और सिंदूर जो सुहान का परिचालक है, उसे पुनः अपनाएं जो ब्रह्मा का प्रतीक है। अमित, गुरुद्वारा में बहने अपनी पौराण पहचान कराएं।

इस हनुमान चालीसा पाठ में

जयपुर शिव मींदार ईंट औफ कैलाश में पर ओष्ठराज सोंकरी के अहवान चाला, जय दलत कुमार, जससंदेश गोवर, जगदीन चुटानी, सुरेंद्र खुलर (प्रधान), श्री केद्रीय समान भूमि सभा, सी. जी. कामपाल, सी. जी. भवानी, केसर दास, गोजेंगा गाँव, ओष्ठराजसा गाँव, हेमत मोरिया, औमान, हेतु मोरिया, अग्नि कुमार, रमेश कुमार, एकेन चुटानी, दिलीप लक्ष्मण, सुरीचंद्र चुटानी, सुधाम सदावा, महेंद्र कुमार सेठी, यशस्वात ओष्ठर, गोपाल खुर्जी, कमल सत्यन, रंजन चनोचा, पालमुकुमार, जै गाल, डा. परमेश्वर अरोड़ा (जाने माने आनुबोदिकार्य और योगाचार्य), मेरेश चालावा, अधिकारी, दिलानी, जीमेंद्र रविंद्र, सुदूर बैठा, येशु मैत्रान, संजय, उमर शोएब, श्रीमती न्योति रामी, श्रीमती रमन ब्रह्मा, श्रीमती मुद्री चुटानी, श्रीमती रमेश कुमार, रामलला गोवर, सुभाष गांधी, सरीना आहूजा, औ अन्य जन कुमूट रहे।

सुभाष चालावा, श्रीद अहूजा, भर्मेंद्र ब्रह्मा, रमेश कामार, ओमी कालवा, रमेश कालारा, किलोरी लल दुहोज, कंवर अहवान चाला, जय दलत कुमार, जससंदेश गोवर, जगदीन चुटानी, सुरेंद्र खुलर (प्रधान), श्री केद्रीय समान भूमि सभा, सी. जी. कामपाल, सी. जी. भवानी, केसर दास, गोजेंगा गाँव, ओष्ठराजसा गाँव, हेमत मोरिया, औमान, हेतु मोरिया, अग्नि कुमार, रमेश कुमार, एकेन चुटानी, दिलीप लक्ष्मण, सुरीचंद्र चुटानी, सुधाम सदावा, महेंद्र कुमार सेठी, यशस्वात ओष्ठर, गोपाल खुर्जी, कमल सत्यन, रंजन चनोचा, पालमुकुमार, जै गाल, डा. परमेश्वर अरोड़ा (जाने माने आनुबोदिकार्य और योगाचार्य), मेरेश चालावा, अधिकारी, दिलानी, जीमेंद्र रविंद्र, सुदूर बैठा, येशु मैत्रान, संजय, उमर शोएब, श्रीमती न्योति रामी, श्रीमती रमन ब्रह्मा, श्रीमती मुद्री चुटानी, श्रीमती रमेश कुमार, रामलला गोवर, सुभाष गांधी, सरीना आहूजा, औ अन्य जन कुमूट रहे।

संस्करण

एक उम्मीद

अमर भारती

हनुमान चालीसा पाठ की संख्या हुई 221000 पार

► साधकों में जोश की दृढ़तरी -
नृत्य में झूम उठे साधक

अमर भारती संवाददाना

युग्माग्राम। कल मंगलवार डेरावाल विरादी ने रमेश चूटानी प्रधान और वरिष्ठ संरक्षक ओमप्रकाश कश्युरिया, सतीश आहूजा वरिष्ठ उप प्रधान, श्री कंवर भान वधवा, राम लाल डोबर और अन्य पदाधिकारियों की अग्रवाह में करवाया हनुमान चालीसा का पाठ पाठ के दीरान साधकों ने काफी उत्साह दिखाया जिसके परिणामस्वरूप भवन पूरा ब्रह्मालूओं से भरा हुआ था औंध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम नए-नए रंग प्रदर्शित कर रही है। सभी के गले में विरादी के पदाधिकारियों ने श्री राम और श्री हनुमान की पट्टिका डालकर प्रेम से सभी का सम्मान और अभिषादन किया। साधकों में अनुशासन सराहनीय था। निरंतर 1



चंदा 25 मिनट तक जल्दी संगीतमय तरीके से पाठ - गजेंद्र गोसाई की सभ्य और ताल का समन्वय देखते ही बनता था। पाठ करने के दीरान ब्रह्मालू भक्ति भाव से झूम उठे और सारा डेरावाल भवन नृत्य मय हो गया और हृष्य देखने के लायक था। श्री गोसाई ने अपनी मधुर वाणी से संगत को मोह लिया। तदापरांत औंध राज सीकरी ने संत तुलसी दास के जन्म का व्याख्यान, तुलसी रामायण के रहस्य, सुंदरकांड की विशेषता और उसमें हनुमान जी के

जीवन के कई नए-नए उदाहरण प्रस्तुत किए और अंत में हनुमान चालीसा ग्रंथ में लिखी गोसाई हृष्यदावान गुनी अति चतुर राम काज करने को आतुर" की व्याख्या विलक्षण तरीके से की विरादी के महामंडी राम लाल ग्रोवर ने प्रवचन उपरांत फूल माला और शाँस से श्री औंध राज सीकरी का, श्री गोसाई का और कई अन्य गणमान्य ल्यकि जिनमें के के गांधी, नरेश चावला, अभिषेक रम्मिलित हैं, सभी का अभिनंदन किया।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

हम बनेंगे आपकी आवाज

हनुमान चालीसा पाठ की संख्या हुई 221000 पाठ



सूचना इंजिनीयर/अधिकारी

प्रत्येक वर्ष एक अवधि लगभग १००
लाख - की दरमें गोदान की जात
जात का सम्भव रहने की बात
है। यह जल्दी के द्वितीय अवधि
पर्याप्त पात्र के द्वारा उत्तरी व
देशीय वर्षानुसार गोदान जूँग मात्र हो जाती
है। इसके द्वारा कोणत्यक व
प्रत्येक वर्ष जल्दी से बोल
में लिया।

लग्नाकारी वीव तथा सोचारे ने कहा-

तुम्हारे दाम के जरूर का अवधारणा
तुम्हारे उत्तमके लियाह, सुनीलवालों की
यो विशेषता और उसमें अवधारणा जैसे
के बोलने के बारे में है। उत्तमके
प्रमुख विषय और उसे में विशेष विवरण
विवरण गुणी एवं अचूर दम का
कानून को आदृत की व्यवस्था का विवरण
गुणी से होता है। विवरण गुणी से पूर्ण
रूप से विशेष प्राप्त होते, पूर्ण रूप से
उत्तम का विवरण, तोहरे दाम उत्तमके
परिसरोंमें प्राप्त होता कानून की
पूर्ण अचूरी और विवरण गुणी से
भान के व्यवस्थों को पूर्ण होता होती
जाते व्यवस्थाओं के विवरण गुणी से
होता अवधारणा एवं विवरण गुणी से
कानूनों को पूर्ण होता होता जाता है।

इन्होंने इतार की एक प्राप्ति की जो वह
अपैर लोडिंग याहो ने सदम्भुविक्षण की
सेवाग्राम याकोटी में अनुभूत नहा दें
एक बारे के लिए, प्राप्ति की और
उसके 25 वर्षावां की उत्तरीय मिली है।

योगदान द्वारा का विस्तृतीय प्रयत्न जिसके पुरुष परमात्मा वर्ण, लक्षण हैं। यह यह है। मध्यम वें लक्षण का परिवर्तन इस तरह है।
परमात्मा द्वारा ने अपने वें लक्षण का विस्तृत विवरण दिया है अर्थात् उन्होंने परमात्मा का विवरण दिया है। विनीत और विनू जो सूक्ष्म का विचारण है, उसे पुरुष परमात्मा को दृष्टि का विकास है। विनू यथा एवं विनीत की विवरण वर्णन।

- साधकों में जीवा की बढ़ोत्तरी, नृत्य में झूम उठे साधक

- हनुमान वालीसा पढ़ने से साधक को जीवन की समस्याओं व भय से मिलती है मुक्ति : शोधराजा सीकरी

लोर्ड ने किया है। बिली के महान् भूमि दम तक छोड़ने पर उसके अपने एक विशेष गुण यह है कि वह अपनी जाति से अधिक अपनी जाति की विशेषताएँ वापरता है, जो अपनी जाति की विशेषताएँ नहीं वापरती हैं, जबकि वह अपनी जाति की विशेषताएँ वापरता है।

इन अवसरों पर ये मन्त्र भूतीय, औरेकाला विद्युत, इमलाला
पोषा, सूर्यांशुधि, कलान् अद्युत,
कुम्ह लक्षण, चाँचल विद्युत, वर्षीय
वज्राद, रथें कर्मा, विद्युत वाता,
विद्युत वाता, विद्युति तत्त्व दुर्दृश,
विद्युत्पूर्व विद्युत, वर दृश्य विद्युत,
विद्युत्पूर्व विद्युत, विद्युतीय विद्युतीय,
विद्युतीय विद्युत, विद्युतीय विद्युतीय,
विद्युतीय विद्युत, विद्युतीय विद्युतीय,

मोरीय, और मैं यह मोरीय,
अलौकिक तुम्हारा, यह मुझमें, यह जैव
पुरुषों का, निश्चय प्रत्यक्ष, वृत्तिशाली
जगत्, अस्ति यहाँ पापाद्युष, वैद्य
कुम्भा मेंठी, प्राप्ति उत्तर, विद्या
वरी, कमा मायुर, तीव्र मोरीय,
प्रत्यक्ष बुद्धि, और वज्र, ती
प्रत्येकर आश्रय (कौन) में
उत्पुत्तिशाली और संसारी, यहाँ
चतुर्वाहा, वृत्तिशाली, वैद्य
द्वेषी, मृदु वृषभ, यह दुर्लभ,
विद्या, यह अमृत, वैद्यता जीवनी
मृदु, और प्रत्यक्ष वृत्तिशाली
मृदु, वैद्यता वृत्तिशाली, वैद्यता
मृदु, वैद्यता वृत्तिशाली, वैद्यता

बुलंद रवोजा

सम्पादक- संजय सार्थक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

हनुमान चालीसा पाठ की संख्या हुई 2 लाख 21 हजार के पार

हनुमान चालीसा पढ़ने से साधक को जीवन की समस्याओं व भय से मिलती है मुक्ति - बोधराज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लोकेश कुपारा प्रताप नार-विजय पर्क क्षेत्र स्थित डेरावाल विरादरी भवन परिसर में पंजाबी विरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी, डेरावाल विरादरी के वरिष्ठ संरक्षक ओमप्रकाश कथुरिया, प्रधान रमेश चुटानी, वरिष्ठ उप प्रधान सतीश आहूजा, पूर्व पार्षद कवरणान वधवा, गमलाल ग्रेवर आदि शामिल हुए।

सभी अतिथियों का श्रीराम व हनुमान जी की पट्टिका डालकर स्वागत किया गया। एक घंटा 25 मिनट चले इस कार्यक्रम में गवेंद्र गोसाई द्वारा संगीतमय तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ कराया। बोधराज सीकरी ने रामायण से संबंधित विभिन्न प्रसंगों की विस्तृत जानकारी साधकों को दी। बोधराज सीकरी ने कहा कि सभी युवा संस्कारवान बनें, सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार करें। जो अपने धर्म की



कार्यक्रम में भजनों पर झूमते साधक।

रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है। इस मुहिम का सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है। आयोजनों में युवा वर्ग की उपस्थिति सराहीय है। उन्होंने आग्रह किया कि बोधराज सीकरी से आग्रह किया कि न्यू कालोनी स्थित जितेंद्र बहल पर्क मनातन योग स्थली में हनुमान चालीसा का पाठ करायें।

संभवत- अगस्त के पहले मंगलवार को उन्हें पाठ का सुअवसर प्राप्त होगा। इसी प्रकार यशपाल ग्रेवर और गंगाधर खत्री ने अजुन नगर में पाठ कराने का आग्रह किया, जिसके लिए 25 जुलाई की तिथि निर्धारित की गई है। सीकरी ने बताया कि करीब 325 साध्वी और साधकों ने 21-21 बार पाठ किया। इसी प्रकार जपपुर शिव मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश में 41 लोगों ने भाग लेकर

5-5 बार पाठ किया। दोनों स्थानों के मिलाकर 7030 पाठ हुए। पिछले मंगलवार तक 2 लाख 15 हजार पाठ हो चुके थे। अब कुल संख्या 2 लाख 22 हजार 235 हो गई है जिनमें 14 हजार 264 साधक शामिल हुए हैं। आयोजन में महामंत्री राम लाल ग्रेवर ने बोधराज सीकरी, आईडीए के अध्यक्ष केके गांधी, नरेश चालला, अधियेक का अधिनंदन किया। इस अवसर पर केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा के प्रधान सुरेंद्र खुबल, सुभाष गांधी, दलीप लूधरा, चाद आहूजा, धर्मेंद्र बजाज, सुभाष नागपाल, रमेश कामरा, ओपी कालरा, स्पेश कालरा, किशोरी लाल दुडेजा, जय दाल बुमार, बासदेव ग्रेवर, जगदीश चुटानी, सीबी नागपाल, सीबी मनचंदा, केसर दास, राजेश गावा, ओमप्रकाश गावा, हेमत मोगिया, अनिल कुमार, रमेश कुमार, राकेश चुटानी, युष्मित्र नागपाल, सुभाष सदाना, महेंद्र सेठी, कमल मलूजा, रवि मनोजा, पारुल कुमार, नंद गावा, दिलजीत, जोगेंद्र रहेजा, सुरेंद्र बरेजा, रमेश मुंजाल, संजय, उमर ग्रेवर, ज्योति वर्मा, रचना बजाज, सुदीर्घ कालरा आदि मौजूद रहे।



3 अग्रता संरचना
अग्रता संरचना मिशन के तहत
98.50% लक्ष्य पूँछ

四

राष्ट्रीय दैनिक जगत क्रान्ति

हिंदू दर्शनालय लोकप्रिय हिन्दू देलिह

E-paper : <http://jagatkranti.co.in>

E-mail: jagatkrantijind@gmail.com

जीवन (इतिहास) से प्रकाशित

हनुमान चालीसा पाठ की संख्या हुई 2 लाख 21 हजार के पार

► हनुमान चालीसा पढ़ने से साधक को भय से मिलती मुक्ति : सीकरी

ਜਗਤ ਕਾਨਿਤ ॥ ਗੁਰਗਾਮ/ਏਗਕੇ ਅਟੋਡਾ

प्रताप नगर-विजय पार्क क्षेत्र स्थित डेरावाल बिरादरी भवन परिसर में पंजाबी बिरादरी महासंगठन के अध्यक्ष व हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम के तहत हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महासंगठन के प्रधान बोधराज सीकरी, डेरावाल बिरादरी के वरिष्ठ संरक्षक ओमप्रकाश कथरिया, प्रधान रमेश चुटानी, वरिष्ठ उप प्रधान सतीश आहजा, पूर्व पार्षद कंवरभान वधवा, रामलाल ग्रावर आदि शामिल हुए। सभी अतिथियों का श्रीराम व हनुमान जी की पट्टिका डालकर स्वागत किया गया। एक घंटा 25 मिनट चले इस कार्यक्रम में गजेंद्र गौसाई द्वारा संगीतमय तरीके



से हनुमान चालीसा का पाठ कराया। बोधराज सीकरी ने रामायण से संबंधित विभिन्न प्रसंगों की विस्तृत जानकारी साधकों को दी।

बोधराज सीकरी ने कहा कि सभी युवा संस्कारवान बनें, सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार करें। जो अपने धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है। इस मुहिम का सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है। आयोजनों में युवा वर्ग की उपस्थिति सराहनीय है। उन्होंने आश्रह किया कि अपनी पुरानी परम्पराओं पर वापिस आएं। बिंदी और सिंदूर जो सुहग का परिचायक है, उसे पुनः अपनाएं। जो श्रीगार का प्रतीक है। मटिर, गुरुद्वारा में बच्चे अच्छी पोशाक पहनकर जाएं। उन्होंने कहा कि

जुलाई माह के हर मंगलवार की बुकिंग पहले से हो चुकी है। आयुर्वेदाचार्य परमेश्वर अरोड़ा ने कार्यक्रम में शामिल होकर हनुमान चालीसा का पाठ किया और बोधराज सीकरी से आग्रह किया कि न्यू कालोनी स्थित जितेंद्र बहल पार्क सनातन योग स्थली में हनुमान चालीसा का पाठ कराएं। इस अवसर पर केंद्रीय श्रीसनातन धर्मसभा के प्रधान सुरेंद्र खुल्लर, सुभाष गांधी, दलीप लूधरा, चांद आहूजा, धर्मद बजाज, सुभाष नागपाल, रमेश कामरा, ओपी कालरा, रमेश कालरा, किशोरी लाल दुडेजा, सुरेंद्र बरेजा, रमेश मुंजाल, संजय, उमेश ग्रोवर, ज्योति वर्मा, रचना बजाज, सुंदरी कालरा आदि मौजूद रहे।

ओपन सर्व

हनुमान चालीसा पाठ की संख्या हुई 221000 पर

हनुमान चालीसा पढ़ने से साधक को जीवन की समस्याओं व भय से मिलती है मुक्ति : बोधराज सीकरी

ओपन सर्च/ विशेष संवाददाता
सत्रीय भारताज

मुहुर्मात्रम् । कल मंगलवत्तार दृष्टावान् विग्रहदौरे ने श्री रमेश सुनाता प्रधन और लविस्ट चैरिकाश श्री ओमप्रकाश का कथायुग्म, सलीस अवाहा जारीमेंठ ठार प्रधान, श्री कंकर भान लक्षण, श्री राम लक्ष्मण और अन्य पदाधिकारीहें की आगाजी में करवाया हुन्मान चालीसक का पाठ ।



- साधकों में जोरा की बढ़ोत्तरी - नृत्य में झूम उठे साधक

तदौपर्यं तेषां राजा योक्तारो ने संतुष्टीया दास के जन्म का व्याख्यान, सुनुस्तुतीया माधवान् द्वारा हस्ते द्वारा उत्पन्न जी के विवेचना और उसमें हनुमन् जी के जीवन के कई चर्चन्-एन् उदाहरण प्रस्तुत किए और ओर अमृत महामाला का प्रश्न में दिया गया था जो यहाँ “विद्यावान् गुणे अति चतुर् राम काब करने के आत्मा” को व्याख्या दिलाया गया था। सो ऐसे कीर्तन जी ने शर्म देव तो

विवाह, लंगे इन उपर्युक्त कैमो उत्तम सुधू में जाकर अपनी पुण्य वृत्ति और कौसे जल की धारा से मनोदृष्टि करते हैं। परं द्वारा और उसके प्रभाव द्वारा जैसा पुण्य होता है आपको उत्तम वृत्ति देता है जो उत्तम कर लोगों का प्रभाव है।

यहाँ यही स्थीरता से संतोष देती है कि बुद्ध ने भगवान् के हर मानवान् को चूँचे पहाड़ से हो चुकी है। ज्ञान-माने आद्यात्मक द्वारा और अपनी वृत्ति की प्रभावशक्ति द्वारा

प्रयास विश्वेष सुया संस्कारात्म
लगता है रण सु रहा है। समाज
संकारणात्मक वर्धनम् दिल्ली हारा

योगदान संकरी है अपने पुरुष
आश्रम किया कि अपने पुरुष
परम्पराओं पर चापस आए। विदेशी
सिद्धों जैसे सूक्ष्म का परिवर्तन
उसे पुनः अपनाएं वही कुछ काम
मिले। मृदंग, गुहारा मीठे बड़े वा
पीचाक वरकार आए।

इह हनुमान चारिया पाठ
लगाता ३२ संख्या और सामाज

जामूर शिल मंदिर द्वारा एक फैले
में भी खो जायेगा योकि को आँख
हड्डी तक पहुँचने को इन्हें बालाको
पाठ निरत होता है। कल के
जापन शिल मंदिर में 41 लोगों
लोकां पीछे-पीछे चार पाटु किया
प्रकार कल के दिन उन्हें स्थान
परिवर्तन 7030 पाठ हुए।
प्रसादवार तक 215000 पाठ हैं।

में
में
में
में

प्रोक्त ने प्रेषण उत्तरात् फूल माला
अंगी शाही में भी औषध गार साक्षात्
का, और गोवाह का वार कह कैसे
गमयनम् अस्ति विद्युती के,
गोपी, और नदी चतुराम, और अपेक्षा
समर्पित हैं, सहज का अभिव्यक्ति
किया।

इस अवसर पर भी दोस्रा अवसर
भी अप्रकाशक कर्त्तव्य, श्री शास्त्री
ग्रेह, श्री सुप्रभा गांधी, श्री सती
आजुल, श्री सुखा नानापात, श्री
आजुल, श्री ब्रह्म कर्जान, श्री संदेश
कर्जान, श्री देवी कर्जान, श्री

ज्योति दर्पण

Website : www.jyotidarpan.com

हिन्दी दैनिक

हनुमान चालीसा पढ़ने से साधक को जीवन की समस्याओं व भय से मिलती है मुक्ति : बोधराज सीकरी

ज्योति दर्पण संबाददाता

गुरुशाम। कल मंगलवार, डेहलील विराटने ने श्री रमेश चुटानी प्रधान और वरिएट साथक श्री ओमप्रकाश कच्छीरा, सांगी आहूजा वरिएट उम प्रधान, श्री कवर भान यादव, श्री रम ललत गोवर्ड और अन्य पदाधिकारियों की अमुख्य में कल्याण हनुमान चालीसा का पाठ के दैर्घ्य साथकों ने काशी उत्साह दिवाली जिसके परिणामस्वरूप भजन पूरा ब्रह्मांडों से भरा हुआ था। श्री बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मूलिम नह-नह रंग प्रदर्शित कर रही है। सभी के गते में विराटने के पदाधिकारियों ने श्री राम और श्री हनुमान की पृष्ठिक डालकर प्रेम से सभी का सम्मान और अभिवादन किया। साथकों में अनुशासन सरहनीयों था। निरंतर 1 पंथा 25 मिनट तक चला संगीतमय तरीके से पाठ की गजेंद्र गोसाई की लल्य और ताल का समन्वय देखते ही बहन था। पाठ करने के दौरान ब्रह्मांड भक्ति भाव से द्वूम उठे और सारा डेहलील भजन नृत् यम दो गया और दृश्य देखने के लायक था। श्री गोसाई ने अपनी मधु वाणी से संगत को भोक्ता लिया। तदीपती बोध राज सीकरी ने सती तुलसी दास के जन्म का आल्याशन, तुलसी रामायण के रहस्य, मुंदरकांड की विशेषता और उत्तम हनुमान जी के जीवन के कई नए-



नए उत्तराण प्रस्तुत किया और अंत में हनुमान चालीसा ग्रंथ में लिखी थीपाई विदावान हनुमान गुनी अंति चतुर राम काज करने को आहुरः की ल्लाला विलक्षण तरीके से की।

कैसे हनुमान जी ने सूर्य देव से शिख प्राप्त की, सूर्य कल्या से उत्का शिवाह, लक्ष दहन उत्तरात कैसे उत्तेने समृद्ध में जाहर अपनी पृष्ठ बुद्धांह थी औ कैसे जल की धारा से मछली को गर्भ होना और ऊर्से महरजाज जैस योद्धा पुत्र होना आहि नई बातों को उजागर कर लेणे का मन मोह लिया। बोध राज सीकरी ने संगत को सूखित किया कि

जुलाल भास के हृष मंगलवार की बुकिंग पहले से हो चुकी है। जाने-माने अपूर्विक डॉक्टर और समाजसेवी श्री परमेश्वर अरोड़ा ने ना केवल अपनी उपस्थिति लगाई बल्कि प्रेम भाव से हनुमान चालीसा का पाठ किया और बोधराज सीकरी से प्रार्थना भी की कि सनातन योग स्फूर्ति जिंदें बहल पाक न्यू कॉलेजों में पाठ करने के लिए। आगह भी किया। संभवतः अपास के पहले मंगलवार को उड्हे पाठ का सुअवसर प्राप्त होगा। इसी प्रकार श्री यशपाल ग्रावर और गंगाधर खाने ने सामृद्धिक रूप से बोधराज सीकरी से अर्जुन

नगर में पाठ करने के लिए प्रार्थना की और उड्हे 25 जुलाई की तारीख मिली है। बोधराज सीकरी का गिलदरी प्रयास जिससे युवा संस्कारवाले बने, लगता है ऐसे ला दय है। सम्पाज में सकारात्मक परिवर्तन दिख रहा है। बोधराज सीकरी ने बहनों से आपास जिसके अपनी पुनर्जी परम्पराओं पर वापस आई थिए और सिंदूर जो सुहग का परिचय है, उसे पुनः अपनाए जो श्रूतार का प्रतीक है। महिंद्र, ब्रह्मांड में बच्चे अच्छी पौराणिक पहचान कर जाएं। इस हनुमान चालीसा पाठ में लगभग 325 साक्षी और साथियों ने 21-21 बार पाठ किया। इसी प्रकार अमृत रिव महिंद्र इंस्ट ऑफ कैलेश में भी बोधराज सीकरी के आहुन पर हृष मंगलवार के हनुमान चालीसा का पाठ निरत होता है। कल के पाठ में जम्पू शिव महिंद्र में 41 लोगों ने भाग लेकर पौर्व-पौर्व श्वार पाठ किया। इस प्रकार कल के दिन दोनों स्थानों के मिलाकर 7030 पाठ हुए। किंतु मंगलवार तक 215000 पाठ हो चुके थे। कल की संख्या मिलाकर कुल 222235 हो गई है जिसे अभी तक कुल 14264 लोगों ने किया है। विराटने के महामंडी श्री रम ललत गोवर्ड ने प्रवचन उपरत पूजन मात्रा और शांति से श्री बोध राज सीकरी का, श्री गोसाई का और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति जिनमें श्री के.के गांधी,

श्री नरेश चालका, श्री अभिषेक यमिलित हैं, सभी का अभिनन्दन किया। इस अवसर पर श्री रमेश चुटानी, श्री ओमप्रकाश कश्चिरिया, श्री रमललत गोवर्ड, श्री सुभाष गांधी, श्री जगदीश आहूजा, श्री सुरेंद्र खड़का, श्री रमेश कामरा, श्री औषधी कलारा, श्री रमेश कलारा, श्री किलोरी ललत डुडेजा, श्री कवर भान यादव, श्री जय दयाल कुमार, श्री आसदेव गोवर्ड, श्री जगदीश चुटानी, श्री सुरेंद्र खड़का (प्रधान, श्री केमेंट सनातन धर्म समा), श्री सी.वी. नायापाल, श्री सी.वी. मनवद्वा, श्री केसर दास, श्री राजेश गांधी, श्री ओमप्रकाश गांधी, श्री हेमंत मोगिया, श्रीमती हेमंत मोगिया, श्री अनिल कुमार, श्री रमेश कुमार, श्री राम चुटानी, श्री दिलीप लूपा, श्री योगीनिंदर अलाल, श्री सुभाष सरदाना, श्री महेंद्र कुमार सेटी, श्री यशपाल गोवर्ड, श्री गोपाल खड़का, श्री कवर सनुजा, श्री रीति मनोजा, श्री पालत कुमार, श्री नंद गांधी, डॉ. परमेश्वर अरोड़ा (जाने माने अपूर्विक व्यापार और बोगाचार्य), श्री नरेश चालका, श्री अभिषेक, श्री दिलीपीत, श्री जोगेंद्र खड़का, श्री सुरेंद्र खड़का, श्री रमेश मुजाल, श्री संजय, श्री उमेश गोवर्ड, श्रीमती ज्योति वर्मा, श्रीमती रमेश चुटानी व अन्य जन मौजूद थे।



Bodhraj Sikri - हनुमान चालीसा पढ़ने से साधक को जीवन की समस्याओं व भय से मिलती है मुक्ति



VIRAL SACH

June 28, 2023

No Comments

6



4 minute read



Viral Sach : Bodhraj Sikri – कल मंगलवार डेरावाल बिरादरी ने श्री रमेश चुटानी प्रधान और वरिष्ठ संस्कृक्त श्री ओमप्रकाश कथूरिया, सूरीश आहुजा वरिष्ठ उप प्रधान, श्री कंवर भान वधवा, श्री राम ताल ग्रोवर और अन्य पदाधिकारियों की अगुवाइ में करवाया हनुमान चालीसा का पाठ।

पाठ के द्वारान साधकों ने काफी उत्साह दिखाया जिसके परिजामर्याद भवन पूरा श्वासानुभोग से भरा दुआ था।

श्री बोध राज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मूलिम नए नए रंग प्रदर्शित कर रही है। रामी के गते में बिरादरी के पदाधिकारियों ने श्री राम और श्री हनुमान की पट्टिका डालकर प्रेम से सभी का रामान और अभिवादन किया। साधकों में अनुरासन सराहनीय था।

निरंतर 1 घंटा 25 मिनट तक चला रंगीतमय तरीके से पाठ – श्री गणेश गोशाई की लाय और ताल का रामनवय देखते ही बनता था। पाठ करने के द्वारान श्वासानुभवित भाव से सूम उठे और सारा डेरावाल भवन नृत्य मय हो गया और दर्शय देखने के लायक था। श्री गोशाई ने अपनी मधुर वाजी से गायत को मोहित किया।



Home > Bodhrang sikhi > हनुमान चालीसा पाठ की संख्या हुई 221000 पार -

हनुमान चालीसा पाठ की संख्या हुई 221000 पार -

By ajeybharat · On Wednesday, June 28, 2023

हनुमान चालीसा पाठ की संख्या हुई 221000 पार -



सापको में जीश की बढ़ोत्तरी - नृप में शूम उठे सापक

हनुमान चालीसा पढ़ने से सापक को जीवन की समस्याओं व भय से निपटी है मुकित : बोधराज सीकरी

गुरुग्राम। कल मंगलवार डेरामाल बिरादरी ने श्री रमेश खुटानी प्रधान और वरिष्ठ संरक्षक श्री ओमप्रकाश कपूरिया, सतीश आदौला वरिष्ठ उप प्रधान, श्री कंवर भान वधवा, श्री राम लाल ग्रोवर और अन्य पदाधिकारियों की अनुबर्व में करवाया हनुमान चालीसा का पाठ।

पाठ के दौरान सापकों ने काफी उत्साह दिखाया जिसके परिणामस्वरूप भवन पूरा ब्रह्मालुओं से भरा हुआ था।

Bharat Sarathi

A Complete News Website

हनुमान चालीसा पाठ की संख्या हुई 2, 21000 पार -



सापकों में जोश की बढ़ोतारी - नृप में शूम उठे सापक

हनुमान चालीसा पढ़ने से सापक को जीवन की समस्याओं व भय से मिलती है मुक्ति: बोधराज सीकरी

नृपराज। लल लग्नसाक्ष दीदारक शिरोड़ी ने भी इसी हुदाई पाठ को गौरत वर्णन की अवसरा का नियम, चालीसा जहाज लैट्रिंग इन पाठों, भी संचरण करता हुआ कहा, भी इस तात्त्व चौरट और जयग चारोंप्रिणारियों की अनुरार्थ ने लारवाता हानुमान छालीता हात पाठ।

पाठ के दीदार दार्शकों ले उसकी उत्तम शिरोदरा शिरोड़ी की अद्वितीय अवसरा का अनुराजी हात छूता जा।

भी बाहर दान चीलीटी की हुदाई पाठ की लुहेत लाप-लाट द्वारा घटाई जाए गई है। उसी के नाम से शिरोड़ी के पर्वतजिल्हारियों ले भी इस और भी हुदाई की वाईस्ट दास्तावच में भी उपर्युक्त चौरट और अविभाव लिखा। उसकी जी हुदाई का अद्वितीय अवसरा । योग 25 शिरोदरा लल लग्न दामीतता लैट्रिंग दी पाठ - भी गौरें गोदार्डी की लाया और तात्त्व का लालचारा देखते ही काढ़ा जा। पाठ लग्न के दीदार व्युद्धि लक्षी लाल दी छूत उठे और दाता देवताक लग्न शूष्य लाल ही नाक और दाता देवतों के लालकु जा। भी गोदार्डी जी जनवी लालू तानी दी दाम्पत की लालू लिखा।

